Scanned by CamScanner

डिजिटल इंडिया के सपने को लगेंगे सुनहरे पंख

जागरण संवाददाता, लखनऊ : पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सपनों को आकार देने में जुटी उनके नाम पर बनी यूनिवर्सिटी में अब ज्यादातर डिजिटल सुविधाएं दी जा रही हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के जानकीपुरम विस्तार सेक्टर 11 में बने जिस नवीन परिसर का मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकार्पण करेंगे उससे डिजिटल इंडिया के सपने को सुनहरे पंख लगेंगे। यहां पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल संग्रहालय व डिजिटल लाइब्रेरी, सेंटर फार एडवांस स्टडीज और प्रशासनिक भवन का वह लोकार्पण करेंगे। इस यूनिवर्सिटी का टेक्नोलॉजी के भरपूर प्रयोग से विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं देने पर जोर है। नए कैंपस को 194 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक का कहना है कि कामकाज में पारदर्शिता लाने और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सहूलियत देने के लिए डिजिटलाइजेशन बहुत जरूरी है। एकेटीयू ने प्रवेश से लेकर परीक्षा तक के सभी कार्य ऑनलाइन कर दिए हैं। सेमेस्टर परीक्षा की कॉपियों तक का डिजिटल मूल्यांकन किया जा रहा है और विद्यार्थियों की समस्याएं भी ऑनलाइन निस्तारित की जा रही हैं। नवीन परिसर में डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा, वाई-फाई की सुविधा और बायोमीट्रिक उपस्थिति सहित तमाम ऑनलाइन सुविधाएं देने की व्यवस्था है।

एकेटीयू

- पीएम मोदी कल करेंगे एकेटीयू के नए परिसर का लोकार्पण
- डिजिटल यूनिवर्सिटी, विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुविधाएं मिलेंगी

नवीन परिसर में 18.77 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल संग्रहालय एवं लाइब्रेरी की डिजाइन गवर्नमेंट आर्किटेक्चर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई है। 2870 वर्गमीटर में बने संग्रहालय, स्मारक व लाइब्रेरी को तैयार किया गया है। इसके केंद्र में 100 फीट ऊंचा स्मारक स्तंभ है। चारों ओर उथले पानी का एक सरोवर बनाया गया है। इस स्तंभ को डॉ. कलाम के विनम्र और सौहार्दपूर्ण व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। संग्रहालय व डिजिटल लाइब्रेरी के अग्र भाग में रंग-बिरंगे कांच ऐसे लगाए गए हैं, जिसमें महान वैज्ञानिक की कठोर साधना झलकती है।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक

प्रशासनिक भवन में सेंसर युक्त दरवाजे और बायोमीट्रिक उपस्थिति

नए कैंपस में बने चार मंजिला प्रशासनिक भवन को 64.11 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसमें 200 लोगों की क्षमता का कांफ्रेंस हाल है। बायोमीट्रिक उपस्थिति के साथ ही पूरे एकेटीयू परिसर को वाई-फाई युक्त बनाया जा रहा है।

डिजिटलाइजेशन पर फोकस कर बढ़ाई पारदर्शिता

- एकेटीयू ने डिजिटलाइजेशन पर फोकस कर विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुविधाएं देने पर जोर दिया है। इससे प्रवेश से लेकर परीक्षा तक के कार्यों में पारदर्शिता बढ़ी है।
- इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा के आवेदन में आधार कार्ड अनिवार्य किया और बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था की।
- ऑनलाइन कोर्स फीस के साथ-साथ डिग्री, माइग्रेशन व मार्कशीट बनवाने का शुल्क आनलाइन जमा करना और डाक के माध्यम से घर पहुंचाने की व्यवस्था करना।
- परीक्षा केंद्रों पर ई प्रश्नपत्र भेजने की व्यवस्था की गई। कोड में प्रश्नपत्र भेजे गए जिसे परीक्षा नियत्रक के पासवर्ड भेजने पर ही डिकोड करने की व्यवस्था है
- परीक्षा की कापियों का डिजिटल मूल्यांकन करवाना और ऑनलाइन कापिया दिखाने की व्यवस्था करना
- विद्यार्थियों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है।
- जल्द स्मार्ट टैब पर विद्यार्थी ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षा भी देंगे। इसमें वह डिजिटल कापी पर स्मार्ट पेन से प्रश्न के उत्तर लिखेंगे।

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज में 14 पीजी कोर्सेज

सेंटर फार एडवांस स्टडीज की चार मंजिला बिल्डिंग को 65.60 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसमें 14 पीजी कोर्स व पीएचडी कोर्स शुरू होंगे। पहले चरण में वर्ष 2017-18 से इंफारमेशन एवं कम्युनिकेशन एवं साइबर सिक्योरिटी और इन्स्ट्रूमेन्टेशन एवं आटोमेशन इंजीनियरिंग शामिल है। इसमें 46 लेक्चर हाल, चार सेमिनार हाल, 24 प्रयोगशाला और दस विभागीय लाइब्रेरी शामिल हैं।